अंजलि बरबरा बरठाकुर

सत्रिय नृत्य

जोरहाट, असम में सन 1979 में जन्मीं श्रीमती अंजलि बोरबोरा बोरठाकुर ने सत्रिय नृत्य का प्रशिक्षण संगीत सत्र में प्राप्त किया। जहाँ रामेश्वर बोरबायन तथा घनकांत बोरा बोरबायन जैसे गुरुओं के सानिध्य में आपने सत्रिय नृत्य की बारीकियाँ सीखीं। आपको सत्रिय नृत्य के क्षेत्र में संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार से कनिष्ठ अध्येयतावृत्ति भी मिल चुकी है।

श्रीमती अंजलि ने देश के विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित प्रतिष्ठित नृत्य समारोहों में अपनी प्रस्तुतियाँ दी हैं, जिनमें महाभारत उत्सव, उत्तर क्षेत्र संस्कृति केन्द्र, पटियालाय संगीत नाटक अकादेमी द्वारा आयोजित नृत्य पर्व, गुवाहाटीय तथा स्वर्ण नृत्य प्रतिभा, त्रिवेन्द्रम प्रमुख हैं। आप श्रीमती शरोदी सैकिया की नृत्य मंडली के साथ कोणार्क नृत्य उत्सव तथा नृत्यांजलि नृत्य समारोह में भी प्रस्तुति दे चुकी हैं। युवा कार्यक्रम के तहत शास्त्रीय संगीत तथा संस्कृति के प्रचार–प्रसार के निमित्त आपने दिल्ली, राजस्थान तथा बेंगलुरु का भ्रमण भी किया है।

सत्रिय नृत्य के क्षेत्र में विशिष्ट प्रतिभा को रेखांकित करते हुए श्रीमती अंजलि बोरबोरा बोरठाकुर को संगीत नाटक अकादेमी द्वारा वर्ष 2018 के लिए उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।